1 OCT 10 2026.qxd 30-09-2026 23:08 Page 1

आज

एशियन गेम्स 2026 - आइची-नागोया

१०

प्रयागराज, गुरुवार १ अक्तूबर, २०२६

तीरंदाजीमें स्वर्णिम हैटट्रिक, नीरूने फिर दिलाया सोना

एशियाई खेल : पुरुष टीम, महिला और मिश्रित टीम की सुनहरी कामयाबी, दो दिनमें छा गयी नीरू



नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय तीरंदाजों ने एशियन गेम्स में बुधवार की सुबह भारत को शानदार तोहफा दिया। कंपाउंड तीरंदाजी के तीनों इवेंट में भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीत लिया। पुरुष टीम ने फाइनल में चीन को २३८-२३७ से हराकर दिन का तीसरा तीरंदाजी गोल्ड अपने नाम किया। इससे पहले महिला टीम और मिश्रित टीम भी स्वर्ण जीत चुकी थीं। भारत के तीनों खिलाड़ी युवा हैं। २१ वर्षीय कुशल दलाल, २५ वर्षीय साहिल राजेश और २० वर्षीय मणि रत्नम गणेश थिरुमुरु की तिकड़ी ने दबाव में धैर्य बनाये रखा और भारत को स्वर्ण दिला दिया। साहिल राजेश, कुशल दलाल और मणि रत्नम गणेश की भारतीय तिकड़ी ने चीन के खिलाफ फाइनल में शानदार जुझारूपन दिखाया। तीन राउंड यानी १८ शाट के बाद भारत एक अंक से पीछे चल रहा था। तब चीन का स्कोर १७९ और भारत का १७८ था। इसके बाद आखिरी राउंड में भारतीय टीम ने मुकाबला पलट दिया। आखिरी छह शाट में चीन के एक तीरंदाज ने आठ अंक का निशाना लगाया। इसका फायदा भारत को मिला और भारतीय टीम एक अंक की बढ़त पर पहुंच गयी। अंत में भारत ने २३८ अंक बनाये जबकि चीन २३७ अंक ही हासिल कर सका। भारत ने आज कंपाउंड तीरंदाजी के तीनों इवेंट में स्वर्ण जीता। सबसे पहले चिकिथा तानिपर्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की महिला कंपाउंड टीम ने चीन को हराकर स्वर्ण जीता। इसके बाद चिकिथा और साहिल जाधव की मिश्रित टीम ने दक्षिण कोरिया को हराकर भारत को दूसरा स्वर्ण दिलाया। पुरुष टीम ने भी चीन के खिलाफ फाइनल में जीत दर्ज कर तीरंदाजी में भारत की स्वर्णिम हैटट्रिक पूरी कर दी।

पांच घंटे में चार स्वर्ण-भारत के लिए यह सुबह बेहद खास रही। तीरंदाजी में तीन स्वर्ण पदकों के अलावा भारतीय शूटिंग टीम ने भी मिक्स्ड ट्रैप में गोल्ड जीता। यानी करीब पांच घंटे के अंदर भारत के खाते में चार स्वर्ण पदक आ गये। शूटिंग में नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने मिक्स्ड ट्रैप में स्वर्ण जीता था। इसके बाद भारतीय तीरंदाजों ने कंपाउंड के तीनों इवेंट में सोना जीतकर कमाल कर दिया। इसके अलावा आज भारत के दो कांस्य भी मिले हैं। दोनों कांस्य मुक्केबाजी में आये हैं। प्रिया घंघस और कपिल पोखरिया ने कांस्य अपने नाम किया। पुरुष कंपाउंड टीम के स्वर्ण के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या ५९ हो गयी है। भारत के खाते में अब १० स्वर्ण, २१ रजत और २८ कांस्य पदक हैं। तीरंदाजी ने इस अभियान में भारत को पदक तालिका में ऊपर पहुंचाया।

पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य
चीन	१५०	६६	५७
जापान	४७	७६	७२
दक्षिण कोरिया	२४	२९	४७
उजबेकिस्तान	१६	१८	१९
थाईलैण्ड	१२	१०	१२
बहरीन	११	५	१५
भारत	**१०**	**२१**	**२९**
ईरान	१०	१६	२१
खजाकस्तान	९	१६	३१
उत्तर कोरिया	७	५	७

ढांडा-किनान ने जीता स्वर्ण



नागोया (एजेन्सियां)। भारत की नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने एशियन गेम्स में शूटिंग के मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में बुधवार को स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में ३४-४० का स्कोर किया, जो एशियन रेकार्ड है। इसके साथ ही भारत ने दिन का तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरू ढांडा के लिए यह एशियन गेम्स में दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने इससे पहले महिला ट्रैप स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतकर भारत के लंबे इंतजार को खत्म किया था। अब नीरू ने अनुभवी निशानेबाज किनान चेनाई के साथ मिलकर मिक्स्ड ट्रैप

मिश्रित ट्रैप शूटिंग

में भी सोना जीत लिया। ३६ वर्षीय किनान ने इस स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को एक और स्वर्ण दिलाया। नीरू की शुरुआत फाइनल में उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। वह अपने पहले दो शाट चूक गयीं और शुरुआती पांच शाट में तीन निशाने चूक गये। हालांकि, इसके बाद भारतीय निशानेबाज ने शानदार वापसी की। नीरू और किनान ने अपने प्रदर्शन को लगातार बेहतर किया और फाइनल के अंत तक शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। नीरू और किनान ने फाइनल में ४० में से ३४ निशाने सटीक लगाये। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय जोड़ी ने नया एशियन रेकार्ड बनाया। इससे पहले इस स्पर्धा के फाइनल में एशियन रेकार्ड कतर के नाम था। कतर ने इसी साल जनवरी में ३० का स्कोर किया था। फाइनल में कतर ने ३२-४० के स्कोर के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन ने २३ के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

जूडोका अश्मिता डे खाली हाथ लौटेंगी

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय जूडो खिलाड़ी अश्मिता डे बुधवार को यहां एशियाई खेलों के महिलाओं के ४८ किग्रा वर्ग में मंगोलिया की नारांत्सेत्सेग गनबातार के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबला हार गयी जिससे वह खाली हाथ लौटेंगी। मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन अश्मिता कांस्य पदक मुकाबले में गनबातार के खिलाफ 'वाजा' से हार गयीं। जूडो में 'वाजा' का अर्थ 'तकनीक' या 'कला' होता है। यह इस 'मार्शल आर्ट' और खेल का बुनियादी हिस्सा है जिसमें तकनीक, पकड़ने और जमीन पर मुकाबला करने की तकनीकें शामिल हो सकती हैं। अश्मिता ने हांगकांग चीन की का ली वोंग के खिलाफ रेपेशाज राउंड जीतकर कांस्य पदक मुकाबले में जगह बनायी थी। अश्मिता ने ४-० के गोल्डन स्कोर से 'योको' के जरिए वोंग को हराया। इससे पहले दिन में अश्मिता ने राउंड १६ में वियतनाम की न्गोक ची हा को 'इप्पोन' के जरिये हराया था। वह क्वार्टरफाइनल में फाइनल में पहुंची कजाखस्तान की अबिबा अबुजाकिनोवा के खिलाफ 'इप्पोन' से हार गयीं। 'इप्पोन' एक ऐसी तकनीक है जिसमें जूडो खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंदी को पीठ के बल पटक देता है।

भारत स्वर्ण और ओलम्पिक टिकटसे एक जीत दूर

महिला हाकी
दक्षिण कोरिया को २-० से हराया

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय महिला हाकी टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए २-० से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और अब वह स्वर्ण पदक हासिल करने से एक कदम दूर है। अगर भारत एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीत लेता है तो वह २०२८ लास एंजिलिस ओलम्पिक के लिए भी क्वालिफाई कर जायेगा। भारत का खिताबी मुकाबले में दो अक्तूबर को चीन से सामना होगा। भारतीय महिला टीम एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक के ४४ साल के इंतजार को खत्म करने के करीब है और उसने इसके लिए एक कदम और बढ़ा लिए हैं। भारतीय महिला टीम ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वह अजेय है। सेमीफाइनल में पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं लेकिन अगले क्वार्टर में इशिका ने भारत को बढ़त दिलाई। इशिका ने पेनल्टी कार्नर का फायदा उठाते हुए इसे गोल में बदला और भारत को १-० से आगे कर दिया। इसके चार मिनट बाद ही सुनेलिता टोप्पो ने मैदानी गोल कर बढ़त को दोगुना किया। कोरिया की टीम अंत तक एक भी गोल नहीं दाग सकी और भारत ने आसानी से मुकाबले अपने नाम किया। भारत और कोरिया के बीच शुरुआत में कड़ा मुकाबला देखने मिला। भारत ने शुरुआती कुछ मिनटों में ही पेनल्टी कार्नर हासिल किये लेकिन इसे गोल में नहीं बदल पाये। इस दौरान कोरिया का अच्छा डिफेंस देखने मिला। भारत ने कोरिया का डिफेंस भेदकर गोल दागने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। पहले क्वार्टर में भारत को कुल नौ पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन एक भी गोल में नहीं बदल सका। पहला क्वार्टर गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में भी यही स्थिति देखने मिली और पहले हाफ तक मुकाबला बराबरी पर ही रहा। दोनों के बीच बेहद ही करीबी मुकाबला चल रहा था। इस दौरान



रेफरी ने ३०वें मिनट में बलजीत कौर को ग्रीन कार्ड दिखाया। भारत पर बढ़त लेने का दबाव बढ़ रहा था। मैच के तीसरे क्वार्टर में भारत को पेनल्टी कार्नर मिला और फारवर्ड खिलाड़ी इशिका ने ४४वें मिनट में इसे गोल में तब्दील करने में देर नहीं की। भारत ने इस तरह १-० की बढ़त बनायी। कोरिया जब तक वापसी कर पाती तब तक सुनेलिता टोप्पो ने बढ़त को दोगुना कर दिया। टोप्पो ने ४८वें मिनट में मैदानी गोल किया।

सुनील ने जीता लगातार दूसरा कांस्य

कुश्ती
निशा दहिया हारी

नागोया (एजेन्सियां)। सुनील कुमार दो एशियाई खेलों में पदक जीतनेवाले भारतके पहले ग्रीको रोमन पहलवान बन गये जिन्होंने बुधवारको यहां पुरुषों के ८७ किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता जबकि निशा दहिया प्रतियोगिता के पहले ही दिन हारकर बाहर हो गयी। सुनील ने फिलीपीन के राबटर्स कालम जानस्टन को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी का दाहिना हाथ बांधकर पटखनी देते हुए ४-० से बढ़त बना ली। रक्षात्मक खेल रहे जानस्टन को 'पार टेरे' पोजिशन से जमीन पर गिराते हुए सुनील ने स्कोरिंग मूव बनाते हुए पहले ही पीरियड में मुकाबला जीत लिया। कुश्ती के खेल में 'पार टेरे' ऐसी पोजिशन है जहां एक पहलवान रक्षात्मक रूप से जमीन पर लेटता है या अपने घुटनों और हाथों पर बैठता है और दूसरा पहलवान उसके ऊपर आक्रामक स्थिति में होता है। सुनील ने हांगझोउ में २०२३ खेलों में भी कांस्य पदक जीतकर ग्रीको रोमन शैली में भारत का पदक का १३ साल का इंतजार खत्म किया था। इससे पहले रविंदर सिंह और सुनील कुमार ने २०१० में ग्वांग्झू खेलों में कांस्य पदक जीता था। हरियाणा के २७ वर्ष के सुनील सेमीफाइनल में जापान के ताइजो योशिडा से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गये थे। सुनील ने कांस्य जीतने के बाद कहा कि मैं खुश हूं लेकिन संतुष्ट नहीं हूं। मैंने एशियाई खेलों में कांस्य पदक पहले भी जीता है। जापानी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गलती का मैंने खामियाजा भुगता। तकनीकी की बजाय दमखम का अधिक प्रयोग किया। महिलाओं के ६८ किग्रा वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में निशा को एक बार फिर उत्तर कोरिया की सोल गुम पाक के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। निशा को पेरिस ओलम्पिक के क्वार्टर फाइनल में भी पाक के हाथों हार मिली थी। निशा ने मुकाबले में २-० की बढ़त बनायी थी लेकिन पाक ने चार अंक का दांव लगाकर पहले पीरियड के अंत तक ४-२ की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे पीरियड में निशा ने दो अंक लेकर



स्कोर ४-४ से बराबर कर दिया। इसके बाद कोई भी पहलवान अंक नहीं बना सकी और बड़े दांव के आधार पर पाक को विजेता घोषित किया गया। पाक ने फाइनल में जगह बनाकर निशा के लिए रेपेचेज का रास्ता खोला लेकिन भारतीय पहलवान इस मौके का फायदा नहीं उठा सकीं और दक्षिण कोरिया की पार्क ह्योनयोंग के खिलाफ 'फाल' से हार गयीं। निशा को पेरिस ओलम्पिक के क्वार्टर फाइनल में भी पाक के हाथों हार मिली थी। उस मुकाबले में निशा ८-२ से आगे थीं लेकिन कोहनी में चोट लगने के कारण मुकाबला ८-१० से गंवा बैठी थीं।

पुरुष हाकी
भारत सेमीफाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगा

काकामिगाहारा (एजेन्सियां)। गत चैम्पियन भारत गुरुवार को यहां एशियाई खेलों के पुरुष हाकी सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय हाकी की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक को फिर जीवंत करेगा तो टीम की नजरें २०२८ लास एंजिलिस ओलम्पिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने पर भी टिकी होंगी। एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम सीधे लास एंजिलिस ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई करेगी और भारत इस मौके को गंवाना नहीं चाहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में मलयेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा। इसी साल विश्वकप में निराशाजनक अभियान में सातवें स्थान पर रहने के बाद भारत ने एशियाई खेलों में अब तक अजेय प्रदर्शन किया है। टीम ने पूल ए में अपने सभी पांच मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ १३-१ की जीत से की। इसके बाद श्रीलंका को १६-१ से हराया। इसके बाद दक्षिण कोरिया के खिलाफ ८-२ से जीत दर्ज की और फिर मेजबान जापान को २-० से हराया जो पूल चरण का उसका सबसे कड़ा मुकाबला रहा।

लवलीना स्वर्णके करीब, प्रिया और कपिल को कांस्य



नागोया (एजेन्सियां)। एशियन गेम्स मुक्केबाजी में ओलम्पिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने फाइनल में जगह बना ली है और अब उनकी नजरें मुक्केबाजी में स्वर्ण जीतने पर होंगी। वहीं, प्रिया घंघस को सेमीफाइनल में हार मिली और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पुरुषों में कपिल पोखरिया का भी सफर कांस्य पर थम गया। उन्हें भी सेमीफाइनल में हार मिली। महिला ७५ किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में लवलीना ने कजाखस्तान की नताल्या बोगदानोवा को स्प्लिट डिसीजन से ३-२ से हराया। लवलीना को मुकाबले का पहला राउंड २-३ से गंवाना पड़ा था। मुकाबला काफी नियंत्रित रहा और दोनों मुक्केबाजों ने संभलकर शुरुआत की। जजों का फैसला भी करीबी रहा। हालांकि इसके बाद लवलीना ने अपनी रणनीति बदली और अगले दोनों राउंड अपने नाम कर मुकाबला जीत लिया। भारतीय मुक्केबाज ने आक्रामकता बढ़ाई और दूसरे राउंड में वापसी की। लवलीना ने अपने पंचों की गति और सटीकता बढ़ाते हुए मुकाबले पर पकड़ बनायी। तीसरे राउंड में भी उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा और लगातार दो राउंड जीतकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। दूसरे राउंड में लवलीना को पांचों जज ने १०-१० अंक दिये। वहीं, तीसरे राउंड में दो जज ने उन्हें १० और तीन ने नौ अंक दिये। अब लवलीना फाइनल में स्वर्ण पदक के लिए उतरेंगी। महिला ६० किग्रा वर्ग में भारत की प्रिया घंघस को सेमीफाइनल में चीन की यांग चेंग्यू के खिलाफ १-४ से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही प्रिया का सफर कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। निशियो जिम्नेजियम में

मुक्केबाजी

हुए मुकाबले में प्रिया ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की लेकिन यांग ने अपने डिफेंस से भारतीय मुक्केबाज के कई हमलों को रोका। चीनी मुक्केबाज ने पहले राउंड में ३-२ और अगले दोनों राउंड में ४-१ के फैसले हासिल किये। प्रिया ने अंतिम राउंड में वापसी की कोशिश की, लेकिन यांग ने अपनी बढ़त कायम रखते हुए मुकाबला ४-१ से अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल से पहले प्रिया ने शानदार प्रदर्शन किया था। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा को ५-० से हराया था। इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने दक्षिण कोरिया की दो बार की विश्व पदक विजेता ओह येओंजी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। प्रिया २०२६ कामनवेल्थ गेम्स और २०२६ एशियन एलीट बाक्सिंग चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। भारत को मुक्केबाजी में आज एक और कांस्य मिला। कपिल पोखरिया ने पुरुषों के ९० किग्रा भारवर्ग में कांस्य जीता। उन्हें सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के तुराबेक खाबीबुलाएव ने स्प्लिट डिसीजन से ४-१ से हरा दिया।

भारत ईस्पोर्टर्स लीजैंड स्पर्धा से बाहर

नागोया (एजेन्सियां)। एशियाई खेलों की ईस्पोर्टर्स स्पर्धा में एमओबीए (लीग आफ लीजैंड्स) स्पर्धा में ग्रुप बी के तीनों मैच हारकर बुधवार को भारत की चुनौती समाप्त हो गयी। भारतीय टीम को हांगकांग, दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपै ने १-० से हराया। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंची।

भारतीय पुरुष, महिला टीम शुरुआती मैच हारी

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय पुरुष और महिला सेपकटकरा क्वाड्रेंट को बुधवार को यहां एशियाई खेलों के अपने शुरूआती ग्रुप मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मैपाक आयेकपाम, प्रिया एलांगबाम, चाओबा ओइनाम और मालेमंगनबी की महिला टीम वियतनाम से ७-१५, ८-१५ से हार गयी जिसके बाद उसे फिलीपींस से १७-१६, १६-१०, १०-१५, १२-१५ से हार का सामना करना पड़ा। वहीं राम कुमार शर्मा, मालेमंगनबा सोरोखैबाम, बाबी कुमार और आकाश युमनाम की पुरुष चौकड़ी को अपने अभियान की शुरूआत में लाओ से ९-१५, ८-१५ से हार मिली। भारतीय पुरुष टीम अब वियतनाम से भिड़ेगी। सेपकटकरा १९९० से खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा रहा है। भारत २००६ चरण से इसमें भाग ले रहा है।

गिलके दोहरे अजेय शतकसे वेस्टइण्डीज पस्त

दूसरा एकदिनी : कैंपबेल, होप और जांगू के शतक पर फिरा पानी, भारत आठ विकेट से जीता

गुवाहाटी (आससे)। कप्तान शुभमन गिलके विस्फोटक दोहरे शतक (अजेय २२३) तथा फार्म में लौटे हिटमैन रोहित शर्मा (१०१) के साथ उनकी १५८ गेंदों में पहले विकेटके लिए की गयी २५५ रनों की साझेदारी के दमपर भारतने वेस्टइण्डीजके गेंदबाजों के हौसले पस्त करते हुए बुधवारको यहां दूसरा एकदिनी मुकाबला आठ विकेटसे जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला पर कब्जा जमा लिया। श्रृंखला का अंतिम मैच शनिवार को न्यू चण्डीगढ़में खेला जायेगा। रोहितने आउट होनेसे पहले ७५ गेंदों में १० चौके और छह छक्के की सजी पारी खेलकर जीतकी आधारशिला रखी। वे इस दौरान १२ हजार रन पूरा करने वाले तीसरे भारतीय बने। दूसरे छोर पर गिलका बल्ला रन उगलता रहा। उन्होंने विराट कोहली (२९) के साथ दूसरे विकेट के लिए ३५ गेंद में ६५ रन और रितुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेटके लिए ६८ गेंद में ८६ रन की अटूट साझेदारी कर भारतका स्कोर ४३.३ ओवरमें दो विकेट पर ४०६ रन कर दिया। गिल ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते



हुए १३३ गेंदमें २६ चौके और आठ गगनचुंबी छक्के जड़े। वहीं गायकवाड़ ने ३७ गेंदमें दो चौके की मददसे ३१ रनकी अजेय पारी खेली। इससे पहले जान कैंपबेल (१०१), शाई होप (१०४) और अमीर जांगू (११४) के तूफानी शतकों की मददसे वेस्टइण्डीजने भारतीय गेंदबाजोंकी कलई खोलते हुए रनोंका अम्बार खड़ा कर दिया। बरसापारा स्टेडियम में टास जीत कर पहले गेंदबाजी करनेका फैसला भारतके लिए उलटा दांव पड़ा और वेस्टइण्डीज ५० ओवर में सात विकेट के नुकसान पर ४०५ रन का अम्बार खड़ा करनेमें सफल हो गया। हालांकि वेस्टइण्डीजको अपने तीसरे और मैचकी अंतिम गेंदपर प्रसिद्ध कृष्णाने केसी कार्टी (नौ) को नमनधीर के हाथों आउट कर दिया। मगर इसके बाद वेस्टइण्डीज के बल्लेबाजोंने भारतीय आक्रमण की धज्जियां उड़ा दी। सलाबी बल्लेबाज जान कैम्पबेल ने ६८ गेंद में नौ चौके, पांच छक्के की मदद से १०१ रन की विस्फोटक पारी खेली। वह १९वें ओवर में १४७ के स्कोर पर गुरनूर का शिकार हुए। इसके बाद भी वेस्टइण्डीज के रनों की रफ्तार कम नहीं हुई। फार्म में लौटे कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज साई होप ने भी ९४ गेंद में आठ चौके, तीन छक्के की मदद से दमदार शतक ठोक दिया। अमीर जांगू तो सबसे आगे निकले। उन्होंने हर भारतीय गेंदबाजों की कलई खोलते हुए मात्र ७७ गेंद में १३ चौके और तीन छक्के लगाये। अंत में रोस्टन चेज (अजेय २९) और समर जोसफ (अजेय १४) ने तेज पारी खेलकर अपनी टीम का स्कोर ५० ओवर में सात विकेट पर ४०५ रन पहुंचा दिया। भारत की ओर से २०० विकेट पूरा करने वाले कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और गुरनूर बरार ने २-२ विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को एक विकेट मिला। पदार्पणमैन आकिब नबी ने काफी निराश किया। उन्होंने ८.५ ओवर में बिना विकेट लिए ८४ रन लुटाये।

स्क्वैश : भारत की दोनों टीमें सेमीफाइल में

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने बुधवार को क्रमश: कुवैत और सिंगापुर को हराकर एशियन गेम्स की स्क्वैश प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस तरह से दोनों टीमों ने अपने लिए पदक पक्के कर लिए। शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैम्पियन भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में कुवैत पर २-० से जीत हासिल की। अभय और वीर चोटरानी ने पहले एकल मुकाबले में बदर अलमोगरेबी के खिलाफ काफी पसीना बहाया, लेकिन आखिर में वह ३४ मिनट तक चले मैच में १२-१०, ८-११, ११-०, ११-५ से जीत हासिल करने में सफल रहे। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी और एकल में रजत पदक जीतने वाले अभय सिंह ने दूसरे एकल में अम्मार अल्तमिमी पर ११-३, ११-४, ११-८ से जीत दर्ज कर टीम की सेमीफाइनल में जगह सुरक्षित की। महिला वर्ग में अनाहत सिंहके नेतृत्व वाली टीमने क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को २-० से हराया। भारत की तरफ से तन्वी खन्ना ने शुरुआत करते हुए पहले एकल मैच में औ येओंग वाई इयन को ३२ मिनट में ११-६, ४-११, १५-१३, ११-१ से पराजित किया। व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली अनाहत ने दूसरे एकल मुकाबलेमें केवल २२ मिनट में औ योंग वाई यानको ११-७, ११-३, ११-४ से हराकर भारतको सेमीफाइनलमें पहुंचा दिया।

भारत-श्रीलंका सेमीफाइनलमें मौसम चर्चाका विषय बना

पुरुष क्रिकेट

निशिन (एजेन्सियां)। भारत की मजबूत टीम और श्रीलंका की दूसरी श्रेणी की टीम के बीच एशियाई खेलों में गुरुवार को यहां होने वाले पुरुष क्रिकेट सेमीफाइनल से पहले खराब मौसम चर्चा का विषय बना हुआ है जिसके कारण दोनों टीम क्वार्टर फाइनल का अपने-अपने मैच नहीं खेल पायी और उन्हें अभ्यास करने का भी मौका नहीं मिला। ऐसी परिस्थितियों में अगर मौसम ठीक रहा और मैच बिना किसी व्यवधान के खेला जाता है तो दोनों टीम को जल्द से जल्द परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना होगा।

नागोया पहुंचने के बाद से भारी बारिश के कारण भारतीय टीम को ज्यादा अभ्यास करने का मौका नहीं मिला है। सेमीफाइनल से ठीक पहले आसमान साफ हुआ है। गुरुवार और शुक्रवार को भी मौसम साफ रहने की भविष्यवाणी है लेकिन फाइनल के दिन यानि शनिवार को बारिश आ सकती है। बारिश के कारण चारों क्वार्टर फाइनल मैच रद्द करने पड़े थे और आईसीसी रैंकिंग में बेहतर स्थान रखने वाली टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें अभी तक प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पायी हैं। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और बंगलादेश के बीच खेला जायेगा। लगातार दो बार के टी-२० विश्वकप विजेता भारत स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार है और अगर मौसम ने साथ दिया तो श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम को यह मैच जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि श्रीलंका अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ नहीं उतरी है। लीग के मैचों में कम स्कोर बने और बारिश के कारण पिच के धीमा होने की संभावना है। भारत २० सितम्बर को जापान पहुंचा था और तब से उसे टोक्यो के पास जापान के खिलाफ मैच खेलने का मौका मिला जो पांच-पांच ओवर का था। बारिश के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ रद्द क्वार्टर फाइनल से पहले अय्यर ने स्वीकार किया था कि खराब मौसम के कारण टीम को अभ्यास करने का मौका नहीं मिला है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पेशेवर होने के नाते किसी तरह का बहाना नहीं बनाया जा सकता है। अगर सेमीफाइनल भी बारिश के कारण रद्द हो जाता है तो आईसीसी रैंकिंग में पहले स्थान पर होने के आधार पर भारत फाइनल में पहुंच जायेगा।